Hindustan-New Delhi-03-03-2011

सिविल सेवा के बदले फॉर्मेट से छात्रों की राहें हुईं और भी आसान

12 जून को है प्रारंभिक परीक्षा कोचिंग बाजार में 25 से 30 प्रतिशत की गिरावट आ गई

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली

सिविल सेवा के प्रारंभिक परीक्षा के बदले फॉर्मेट ने छात्रों की राहों को आसान कर दिया है। अब जहां छात्रों के समक्ष कॉमन फॉर्मेट होगा तो दूसरी तरफ उनकी कोचिंग बाजार पर निर्भरता भी कम हो गई है। इस नए फॉर्मेट ने कोचिंग बाजार का अंकगणित बिगाड़ सा दिया है।

नए बदलाव के तहत अब एक कॉमन पाठ्यक्रम कर दिया गया है जो विभिन्न एक दिवसीय परीक्षाओं के पाठ्यक्रमों का मिला-जुला रूप है जैसे कि कैट, मेट, बैंक आदि। पूर्व के सिलेबस में प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी में वैकल्पिक विषयों की तैयारी पर जोर दिया जाता था। दिल्ली, इलाहाबाद, पटना, हैदाराबाद, चंडीगढ़ जैसे केंद्रों में कोचिंगों की बाढ़ सी आ गई थी। विशेषज्ञों के मुताबिक नए बदलावों की वजह से कोचिंग बाजार में 25 से 30 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। इसकी वजह से कैट, मैट, बैंक व एसएससी की तैयारी करा रहे संस्थानों की बांछे खिल गई।

करियर प्लस कोचिंग के निदेशक अनुज अग्रवाल कहते हैं कि कोचिंग बाजार में गिरावट का आलम ये है कि कई कोचिंग पांच सौ रुपए महीने के अनुसार भी विषयों के आधार पर तैयारी करा रहे हैं। वह कहते हैं कि बदले समय में बाजार का कुल आकार भी घटेगा क्योंकि प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी अभ्यर्थी अपने गृह नगर या क्षेत्रीय केंद्र पर ही करना चाहेगा।

सामान्य अध्ययन की पढ़ाई कराने वाले करूणेश चौधरी कहते हैं कि दिल्ली वैसी भी काफी महंगी है यहां पर बाहर से रहकर लोग पढ़ाई करते हैं जिसमें उनका यहां पर रहने और अन्य खर्चों में काफी पैसा लगता है ऐसे में छात्र अपने घर पर रहकर या सिर्फ कुछ स्पेसिफिक टॉपिकों की तैयारी करने को ही प्राथमिकता दे रहे हैं। मुखर्जी नगर में प्रॉपर्टी का काम करने वाले अनंत जैन कहते हैं इस बार किराए के दाम भी काफी गिर गए हैं। पहले जहां कमरे छह से आठ हजार में थे जो कि अब चार से पांच हजार में हो गए हैं इसकी वजह कमरों की डिमांड में कमी आना है।

ये हुआ बदलाव

परीक्षा के घोषित नोटिफिकेशन के अनुसार अब प्रारंभिक से वैकल्पिक विषय को हटाकर उसके स्थान पर एप्टीट्यूड टेस्ट को शामिल किया गया है तथा सामान्य अध्ययन को भी पुनर्गठित किया गया है। परीक्षा से अब स्केलिंग पद्धति की विदाई हो गई है।